an>

Title: Need to declare Kutch, Dang and Banaskantha districts of Gujarat as 'Difficult Area' under Indira Awas Yojana.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) : सभापति महोदय, गुजरात एक कुदरती आपदा ग्रस्त और तूस्त है। कुदरती आपदाओं के कारण जो राज्य की कनेक्टिविटी है, उसके लिए बहुत भारी खर्च उठाना पड़ता है। राज्य के जो अंदरूनी रास्ते हैं, उनमें भी कनेक्टिविटी की समस्या के कारण वाहनों के ट्रांसपोर्टेशन में भारी खर्च उठाना पड़ता है तथा इनके कारण आवासों के निर्माण के लिए माल-सामान का खर्च भी बढ़ जाता है। गुजरात राज्य में 1600 किलोमीटर लम्बी समुद्री सीमा पड़ती है और समुद्री कुदरती आपदा के कारण भारी संख्या में मानव और पशुओ की जान हानि होती है। इसलिए कुदरती आपदाओं के सामने टिक सके, ऐसी पद्धति वाले इंदिरा आवासों का निर्माण करना अत्यंत आवश्यक है और ऐसे आवासों के निर्माण के लिए ज्यादा वित्तीय व्यवस्था करनी पड़ती है। गुजरात में वर्ष 2001 में भूकम्प आया था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.9 थी, उसके कारण दस लाख से ज्यादा आवास तथा 20,000 से ज्यादा जान हानि हुई थी। कच्छ जिला सीस्मिक जोन-5 में आता है। गुजरात के अनुसूचित जनजाति वाले जिले डांग के 318, बनासकांठा जिले के अमीरगढ़ के आठ, लाता तालुके के दस गांव एवं अन्य दस जिलों के 1741 गांव भूकम्प जोन चार में आते हैं, उनको डिफिकल्ट एरिया जाहिर किया जाए। गुजरात सरकार ने केन्द्र सरकार से पत्राचार भी किया है, लेकिन हमारी दरख्वास्त लम्बित है। मेरी आपके माध्यम से मांग है कि इंदिरा आवास योजना के तहत कच्छ, डांग और बनासकांठा जिले के गांवों को डिफिकल्ट एरिया जाहिर किया जाए। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON:

Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shrimati Jayshreeben Patel.

Hon. Members, I have 25 more speakers to speak in 'Zero Hour'. I request all the hon. Members to finish their submissions within one minute. Otherwise, I will not allow you.